सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादक: रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, सोमवार, 21 अप्रैल, 2025
वर्ष: 02, अंक: 115, पृष्ठ: 8+4, मूल्य: ₹ 2/-

पीएम के आगमन से पहले सीएम ने लिया तैयारियों का जायजा, दिए निर्देश....

» Pg12

इनसाइड जीएसवीएम : बिना काम के ही ठेकेदार को करोड़ों का... » Pg03

रहीमपुर करीमपुर गांव में पानी भरने के दौरान हुआ हादसा

भ्रष्टाचार भरी ढाई करोड़ी टंकी फटी

मची अफरा-तफरी, भागे लोग, गांव के घरों में भरा पानी

जल जीवन मिशन कार्यक्रम के तहत बनाई गई थी टंकी, महज आठ महीने में दीवार भरभरा कर गिरी

» प्रोजेक्ट मैनेजर बोले- टेस्टिंग के दौरान हुआ हादसा

» ठेकेदार और कार्यदायी संस्था हुए ब्लैक लिस्टेड।

» स्वराज इंडिया संवाददाता।

बिल्हौर (कानपुर)। उत्तर प्रदेश सरकार भले ही भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए लाख कोशिश कर रही हों, लेकिन भ्रष्टाचार लगातार अपनी जड़ें गहरी करता चला जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भ्रष्टाचार मुक्त उत्तर प्रदेश के दावे को भ्रष्ट अधिकारी और ठेकेदार ठेंगा दिखाने से बाज नहीं आ रहे। ऐसा ही एक मामला कानपुर जनपद के बिल्हौर तहसील से सामने आया है। जहां ढाई करोड़ से अधिक की लागत से बनी पानी की टंकी महज आठ महीने भी नहीं चल पाई और फट गई। अब सवाल यह उठता है कि क्या निर्माण में मानकों का पालन नहीं किया गया था। हालांकि इस बारे में कोई भी अधिकारी सीधे तौर पर बोलने को तैयार नहीं है।

अपनी दुर्दशा पर आंसू बहाती पानी के दबाव से ढही दीवार

दरअसल जल जीवन मिशन कार्यक्रम के तहत जलापूर्ति के लिए कम्पनी विंध्या टैलीलिंक्स लिमिटेड गाजा इंजीनियरिंग प्रा. लि (जे.वी) के द्वारा बिल्हौर ब्लॉक के रहीमपुर-करीमपुर गांव में डेढ़ लाख लीटर की क्षमता वाली एक पानी की टंकी का निर्माण किया गया। टंकी का निर्माण कार्य आठ महीने पहले ही पूरा हुआ था। टंकी का निर्माण कार्य पूरा करने में 241.54 लाख रूपये की लागत आई। शनिवार को टंकी में पानी भरने के दौरान टैंक अचानक धमाके के साथ फट गया। पानी का टैंक फटते ही आसपास अफरा तफरी मच गई। लोग घबराकर जान बचाने के लिए भागने लगे। देखते ही देखते टंकी में भरा गया पानी गांव में लोगों के घरों में भर गया। पानी का टैंक फटने से टंकी परिसर की एक साइड की दीवार भी भरभरा कर गिर गई। जिसने निर्माण कार्य में हुए भ्रष्टाचार की सारी परतें खोलकर रख दी। इस घटना की जानकारी ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान और प्रशासनिक अधिकारियों को दी। सूचना पर टंकी का निर्माण करने वाली कंपनी के लोगों ने मौके पर पहुंचकर जाँच की। ग्रामीणों ने कार्य कराने वाली संस्था पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। वहीं ग्राम प्रधान ने भी कम्पनी के ठेकेदारों पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए मामले की जाँच की माँग उठाई है।

जब अपने ही जवाब में फंसे प्रोजेक्ट मैनेजर

प्रोजेक्ट मैनेजर का कहना है कि टंकी टेस्टिंग के दौरान फट गई है। ऐसे में हमारे संवाददाता ने जब प्रोजेक्ट मैनेजर से सवाल किया कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद कितने दिनों तक टेस्टिंग कार्य चलता है। तो प्रोजेक्ट मैनेजर ने जवाब दिया कि तीन माह। अब सोचने वाली बात है कि टंकी के निर्माण कार्य को कम्प्लीट हुए करीब आठ माह बीत चुके हैं। प्रोजेक्ट मैनेजर के मुताबिक निर्माण कार्य पूरा होने के बाद तीन महीने तक टेस्टिंग चलता है। टंकी का निर्माण हुए आठ महीने बीत चुके हैं। इस दौरान जब टंकी फटी तो बताया गया कि टेस्टिंग कार्य चल रहा था।

अब सवाल उठता है कि कहीं ऐसा तो नहीं कि प्रोजेक्ट मैनेजर ने खुद को अधिकारियों की कार्रवाई से बचाने के लिए टेस्टिंग का बहाना ढूंढा हो, ताकि टेस्टिंग के दौरान टंकी फट गई कहकर अपनी गर्दन बचाई जा सके। बहरहाल, बताया जा रहा है कि कानपुर जल निगम के एक्सईएन एन.के. सिंह ने जिम्मेदार अफसरों से बात कर ठेकेदार और कार्यदायी संस्था को नोटिस जारी कर ब्लैक लिस्ट में डाल दिया है। अब देखना यह है कि इस मामले में दोषियों के खिलाफ क्या कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

ठेकेदार से कहा था टंकी लीकेज है लेकिन उसने नहीं सुनी: ग्राम प्रधान

ग्राम प्रधान ने बताया कि एक सप्ताह पहले टंकी लीकेज की सूचना मैंने ठेकेदार विनय तिवारी को दी थी। लेकिन कोई सुनवाई नही हुई और यह हादसा भी हो गया। हादसे में कोई चोटिल नहीं हुआ है। अधिकारियों से बात कर इसकी जाँच करवाएंगे।

भुगत रहे ग्रामीण

टंकी फटने के दौरान पानी बहकर आसपास के लोगों के घरों में जा घुसा। अपने घर में से बाल्टी से पानी बाहर निकालती एक स्थानीय महिला।

सिर्फ राजनीति की वजह से इंसानों के बीच बढ़ा भेद: धीरेन्द्र सचान आईएएस

» डाक्टर अम्बेडकर विकास समिति के समारोह में जुटे दिग्गज, बोले समाज में एकता और बाबा साहब के सपनों का संकल्प ही मिशन

» बुद्ध की शिक्षाओं से डॉ. आम्बेडकर ने मानवता के सिद्धांत को संविधान के रूप में प्रस्तुत किया और ज्योतिबा फुले को सच्ची श्रद्धांजलि दी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बुद्ध ने अत्त दीपो भवः का सिद्धांत दिया जिसके जरिये हम स्वयं अपने तथ्य तर्क की कसौटी पर विचारों के मंथन से सत्य को जान सकते हैं और यह समझ सकते हैं कि इंसान इंसान के बीच प्रकृति ने भेद नहीं किया है,प्रकृति द्वारा जीवन और अस्तित्व से जुड़ी हर चीज़ सभी के लिए सामान रूप से है ऐसे में मानव का भेद समझ से परे है।

कल्याणपुर केशवपुरम स्थित डॉ भीमराव आम्बेडकर जन्मोत्सव पार्क में आयोजित सयुक्त जयंती समारोह में उत्तर प्रदेश सरकार के विशेष सचिव व वरिष्ठ आईएएस अधिकारी धीरेन्द्र सचान ने गौतम बुध्द को नमन करते हुए डॉक्टर आम्बेडकर व् ज्योतिबा राव फूले को पुष्पांजलि अर्पित की, इस दौरान उन्होंने अपने उद्बोधन में बताया कि बाबा साहब आम्बेडकर ने कहा था कि शिक्षा का उद्देश्य बुद्धि का विकास होना चाहिए इसलिए हमें तार्किक दृष्टिकोण अपनाना होगा।

दो दिवसीय चले इस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम और गीत संगीत के साथ रंगारंग नाट्य मंचन भी किया गया। बौद्धाचार्य भंते अंगुलिमाल द्वारा बुद्ध वंदना श्री शरण और पंचशील का पाठ कर समारोह का शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ हरिदत्त नेगी ने कहा कि समता का भाव ही मनुष्य को मानवीयता का मूल्य प्रदान करता है।एचबीटीयू के प्रोफ़ेसर ब्रजेश कटियार ने कहा जिसमे समता की चाह नहीं वह बढ़िया इंसान नहीं। विद्यार्थियों को भी प्रशस्ति पत्र वह मेडल पहनकर सम्मानित किया गय। नीरज उर्फ खिलेश्वर द्वारा गायन प्रस्तुत किया। गन फैक्ट्री के दिनेश कुमार नीरज के काव्य पाठ ने श्रोताओं में ओज़ से भर दिया ।मुख्य वक्ता पृथ्वी पाल सिंह ने विचार प्रस्तुत किया। किरण मैडम द्वारा नाटिका प्रस्तुत की गई। डॉ जीतेन्द्र नाग,डॉ एमपी सिंह , डॉ अनिल कुमार ने भी व्याख्यान दिया। आशा, साधना, माया दोहर, शशि जी, रानी जन्मोत्सव समारोह में बतौर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित वरिष्ठ पत्रकार और नेशनल जनमत के प्रदान संपादक नीरजभाई पटेल ने कहा कि जाति के नाम पर संगठन चलाने वाले लोग जातीय वर्चस्व साबित कर समाज में भेद को ही बढ़ावा देते हैं। यह बाबा साहब के समता सिद्धांत के विरुद्ध है।

संगठन वाले समता नहीं चाहते

आंबेडकर विकास समिति के बाबा साहब जन्मोत्सव समारोह में बतौर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित वरिष्ठ पत्रकार और नेशनल जनमत के प्रदान संपादक नीरजभाई पटेल ने कहा कि जाति के नाम पर संगठन चलाने वाले लोग जातीय वर्चस्व साबित कर समाज में भेद को ही बढ़ावा देते हैं। यह बाबा साहब के समता सिद्धांत के विरुद्ध है।

जीएसवीएम : बिना काम के ही ठेकेदार को करोड़ों का भुगतान

- विद्युत खंड आवास विकास ने प्राइवेट कंपनी को किया गया मनमाने ढंग से करोड़ो का पेमेंट
- हैलेट में बिजली के पोल लगने थे मार्च तक, अभी तक शुरू नहीं हो सका
- हैलेट प्रशासन से जारी हो चुका है 7 करोड़ रुपये

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने में लगे हैं, लेकिन जिम्मेदार उनके इस प्रयास पर पलीता लगा रहे हैं.. हैलेट में बिजली के पोल, बॉक्स लगाने की जिम्मेदारी विद्युत खंड आवास विकास को दिया गया..आवास विकास ने खेल करते हुये टेंडर लखनऊ की कंपनी को दिया, काम शुरू होने से पहले ही करोड़ो का पेमेंट कर दिया..आरटीआई के माध्यम से हुये खुलासे के बाद आवास विकास के उच्चाधिकारी पूरे मामले में लीपापोती में लग गये हैं..लेकिन काम अभी तक शुरू नहीं हो सका, जबकि मार्च में खत्म होना था..

हैलेट अस्पताल से जुड़े सभी संबद्ध हॉस्पिटल 170 एकड़ में फैला है, बिजली पोल और लाइट न होने से मरीज, उनके तीमारदार परेशान होते है..जिसे लेकर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ संजय काला ने बजट पास कराया और पोल लगाने की जिम्मेदारी आवास विकास विद्युत खंड विभाग को दिया..अगस्त 2024 में टेंडर डालकर काम लखनऊ की कंपनी ईगल कंस्ट्रक्शन को दिया.मार्च 2025 तक काम पूरा होना था, जिसे लेकर मेडिकल कॉलेज की ओर से 7 करोड़ रुपये आवास विकास विद्युत खण्ड कल्यानपुर को दे दिया गया, लेकिन काम अभी तक शुरू नहीं हो सका और प्राइवेट कंपनी के खाते में 2 करोड़ 65 लाख ट्रांसफर कर दिया गया..जोकि नियम विरुद्ध है..अधिशाषी अभियंता विनोद कुमार सवालों से बचते नजर आयें..अंत मे कैमरे में बोलने से मना करते हुये मिलने से मना कर दिया क्योंकि विनोद कुमार के हस्ताक्षर से पैसा ट्रांसफर हो गया..खुले में पड़ा माल भी एक बार चोरी हो चुका है..

क्या है नियम...

जब तक कोई भी सरकारी काम पूरा नहीं हो जाता तब तक किसी भी कंपनी का पैसा रिलीज नहीं किया जाता है, लेकिन सूत्रों की माने तो हैलट में लगने वाले बिजली के पोल का काम शुरू भी नहीं हुआ फ़िर लखनऊ की कंपनी ईगल कंस्ट्रेशन को 2 करोड़ 65 लाख का भुगतान कर दिया गया..यह पूरी तरह गलत है.. आखिर इतनी जल्दबाजी क्यों? यूं कहा जा सकता है कि अपनी जेब भरने के लिए भ्रष्टाचार का सहारा लेकर भुगतान कर दिया गया..

चोरी हो चुका है माल !

जेब भरने की जल्दबाजी में आवास विकास खण्ड के अधिशाषी अभियंता विनोद कुमार, सहायक अभियंता आनंद अवस्थी ने माल हैलट में उतरवा दिया 7 महीने पहले, जोकि 50 फीसदी माल चोरी हो गया था..द्दह्य1द्ब मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल ने सख्ती कर गार्ड के माध्यम से माल खोज निकाला, चोरों को पुलिस के हवाले किया था..इस बात की पुष्टि डॉ संजय काला ने की, आवास विकास के सहायक अभियन्ता आनंद अवस्थी ने भी स्वीकार है.जो माल अभी भी पड़ा है, फिर चोरी होता है तो जिम्मेदार कौन?

भ्रस्टाचार का आरटीआई से हुआ खुलासा

एक आरटीआई एक्टिविस्ट ने बताया कि बिजली के पोल लगाने में बड़ा भ्रष्टाचार आवास विकास विद्युत खण्ड के अधिकारी कर्मचारी ने किया है..हैलेट में पोल लगने का टेंडर 13 अगस्त को हुआ, काम खत्म मार्च 2025 में होना था..लेकिन काम शुरू नहीं हुआ और 2 करोड़ 65 लाख का भुगतान लखनऊ की कंपनी ईगल कंस्ट्रेशन को कर दिया गया.. जोकि नियम विरुद्ध है..सिर्फ कमीशन से अपनी जेब भरने के लिए अधिशासी अभियंता विनोद कुमार, सहायक अभियंता आनंद अवस्थी ने पेमेंट कर दिया..जिसकी शिकायत शासन स्तर पर की गई है.

गड़बड़ी होने पर कार्रवाई होगी: संजय काला

मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर संजय काला,उनकी टीम की जानकारी के बजाय गलत जगह बिजली के पोल गाड़ने के लिए गड्ढे खिड दिए थे.. डॉक्टर संजय काला ने बताया कि जानकारी होने पर काम रुकवाया और अभियंता-ठेकेदार को फटकार भी लगाई थी.. उसके बाद जगह भी दिखाई जहां पोल लगने है..काम शुरू होने से पहले ही माल उतार दिया, जिस कारण माल चोरी हो गया था..तब हैलेट के गार्ड के माध्यम से माल बरामद कराया था..इन सभी तथ्यों के सामने आने से एक बात साफ है कि भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का काम आवास विकास विद्युत खण्ड कर रही है

सहायक अभियंता ने भी माना नहीं शुरू हो सका काम

अगस्त 2024 को टेंडर पास हुआ और मार्च 2025 को पूरा होना था काम..जोकि अभी तक शुरू नहीं हो सका..बिजली के पोल के लिए गड्ढे तक नहीं खोदे गये..सहायक अभियंता आनंद अवस्थी ने बताया कि काम मे लेट हुआ है, 2 सप्ताह में काम शुरू कराया जायेगा..लेकिन मेडिकल कॉलेज से मिली धनराशि मिलना भी स्वीकार किया, माल चोरी होने की बात भी सहायक अभियंता आनंद अवस्थी ने मानी है..लेकिन बिना काम किये ही कंपनी को 2.65 करोड़ रुपये का भुगतान क्यों किया गया, इस पर वह बगले झांकने लगे

बीजेपी के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल का सेंट्रल पर स्वागत

सांसद रमेश अवस्थी सहित भाजपा पदाधिकारी और भारी संख्या में कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल रविवार दोपहर वंदे भारत एक्सप्रेस से कानपुर सेंट्रल स्टेशन पहुंचे। उनके आगमन पर सांसद रमेश अवस्थी, भाजपा पदाधिकारी और भारी संख्या में कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर पांच पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने फूलमालाएं पहनाकर, नारों और ढोल-नगाड़ों के साथ बंसल का स्वागत किया ।सुनील बंसल भाजपा के 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' अभियान को आगे बढ़ाने और पार्टी संगठन को मजबूती देने के उद्देश्य से कानपुर प्रवास पर आए हैं ।सुनील बंसल ने सीधे छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (ष्टस्छ्वरू) का रुख किया, जहां 'प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन' आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष भूपेन चौधरी, प्रदेश सरकार के प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, और भाजपा के वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए।

स्वराज इंडिया

www.www.swarajindianews.com.com

वैचारिक मंच

सम्पादकीय

दिन व मजदूरी बढ़ाने की सिफारिश

भले ही मौजूदा केंद्रीय सरकार में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा को लेकर उत्साहजनक प्रतिसाद नजर न आता हो, लेकिन बदलते वक्त में पैदा चुनौतियों में भी इसकी प्रासंगिकता कम नहीं हुई है। कोरोना काल ने इस योजना की उपयोगिता को साबित किया है। देश के ग्रामीण अंचल में जहां एक ओर लाखों श्रमिकों व महिलाओं को रोजगार मिला, वहीं अन्य राज्यों के लिये होने वाले पलायन पर रोक लगी। सही मायनों में देश के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिये एक उम्मीद बनकर उभरा है मनरेगा। खासकर अकुशल श्रमिकों को अपने घर के आसपास काम मिलने से लाखों घरों के चूल्हे जलते रहे हैं। लंबे समय से इस योजना के लिये धन आवंटन तथा काम के दिन व मजदूरी बढ़ाने की मांग होती रही है। जिस पर संसद की स्थायी समिति ने मोहर लगा दी है। दरअसल हाल ही में संपन्न बजट सत्र के अंतिम सप्ताह में संसदीय समिति ने मंदी की आहट व ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के चलते श्रम दिवसों की संख्या डेढ़ सौ दिन करने के साथ मजदूरी चार सौ रुपये प्रतिदिन करने की सिफारिश की है। निस्संदेह, बढ़ती महंगाई व अदृश्य बेरोजगारी दूर करने में ये बदलाव लाभकारी साबित हो सकते हैं। मौजूदा दौर में कम मजदूरी में जीवन-यापन लगातार कठिन होता जा रहा है। यदि ये बदलाव सिरे चढ़ते हैं तो योजना के सार्थक परिणाम सामने आएंगे। जिसे मूर्तरूप देने हेतु मनरेगा के लिये आवंटित धन में वृद्धि भी जरूरी है।इसमें दो राय नहीं कि मनरेगा को लेकर अनेक विसंगतियां भी सामने आई हैं। इसमें भ्रष्टाचार और फर्जी प्रमाणपत्रों के जरिये लाभ उठाने के मामले हैं। आधार कार्ड के जरिये भुगतान ऑनलाइन करने के बाद लाखों श्रमिक फर्जी पाये गए। निस्संदेह, योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता जरूरी है। लेकिन मानना चाहिए कि ग्रामीण इलाकों में कम पढ़े-लिखे लोगों व ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग न कर पाने से भी कई तरह की विसंगतियां सामने आ सकती हैं। इसमें ठेकेदारों की मनमानी व अनियमितताओं की भी भूमिका हो सकती है।जिसमें राज्यों में मजदूरी में एकरूपता लाने तथा काम के दिन बढ़ाने के भी सुझाव शामिल थे। जिस पर अब संसद की स्थायी समिति ने मोहर लगाई है। साथ ही,नीतिगत सुधारों के लिये पारदर्शी सर्वेक्षण की बात भी कही गई है। निस्संदेह, ऐसे प्रयासों से योजना में श्रमिकों की भागीदारी बढ़ेगी। साथ ही जरूरी है कि मनरेगा के जरिये उत्पादक कार्यों को बढ़ावा दिया जाए। जिससे देश की कर्मशील आबादी में वृद्धि होगी। शायद तब देश के अस्सी करोड़ों लोगों को मुफ्त अनाज बांटने की जरूरत न होगी। लेकिन साथ ही जरूरी है कि मनरेगा के बजट आवंटन में जो ठहराव पिछले दिनों देखने में आ रहा था, उसे भी दूर किया जाए। जिसको लेकर विपक्षी कांग्रेस सत्तारूढ़ दल पर हमले बोलती रही है। कांग्रेस अपने कार्यकाल में लायी गई योजना को आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिये सुरक्षा कवच बताती रही है।

पड़ोस में नये गठजोड़ के अशुभ संकेत

ज्योति मल्होत्रा

बांग्लादेश और पाकिस्तान द्वारा पुरानी गलतियों के लिए एक-दूसरे को माफ करने की आशंका साफ नजर आ रही है। पश्चिम व पूर्वी सीमा पर स्थित दोनों पड़ोसी देशों के बीच दशकों बाद बढ़ती निकटता भारत के लिए सकारात्मक संकेत नहीं। अब दारोमदार केंद्र सरकार पर है कि वह इस घटनाक्रम के असर से कैसे निपटेगी।भारत की सीमाओं के दोनों तरफ एक बड़ा मंथन चल रहा है, जो आरएसएस के 'अखंड भारत या अविभाजित उपमहाद्वीप' की अवधारणा को एक नई चुनौती पेश करता दिखाई देता है। पूर्व में, बंगाल की खाड़ी के इर्द-गिर्द एक नया समुद्र-मंथन हो रहा है, क्योंकि चीन और पाकिस्तान, दोनों के साथ, जिस तरह 'नव बांग्लादेश' पींघें डाल रहा है, उतना तो दशकों में नहीं हुआ। और इधर पश्चिम में, पाकिस्तान में, शक्तिशाली सेना प्रमुख कुछ इस तरह दिखाई दे रहे हैं मानो खुद को आधुनिक जिन्ना समझने लगे हैं, जब वे कथित 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत'और इस तरह के अन्य विषयों पर प्रवचन कर रहे थे।

शुरुआत बांग्लादेश से करते हैं। बीते 15 वर्षों में यह पहली बार है, जब पाकिस्तानी अधिकारी सलाह-मशविरे के लिए बीते सप्ताह ढाका पहुंचे, इस दौरान 'बांग्लादेश के विदेश सचिव ने 1971 में तत्कालीन 'पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए नरसंहार' के लिए माफ़ी की मांग की। साथ ही यह भी कहा कि पश्चिमी पाकिस्तान से पूर्वी हिस्सा अलग होने के बाद- निस्संदेह भारत की कुछ मदद से-4.3 बिलियन डॉलर का हिस्सा लेना बकाया है, हालांकि बांग्लादेशी विदेश सचिव ने भारतीय मदद का जिक्र नहीं किया।इतना ही नहीं, अगले 10 दिनों के भीतर, पाकिस्तान के उप प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ढाका की यात्रा करेंगे। डार एक मंजे हुए राजनेता हैं लिहाजा उम्मीद है कि वे 1971 में पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए नरसंहार के लिए माफ़ी मांगने का तरीका आसानी से निकाल लेंगे - हालांकि यह करते वक्त सावधान रहेंगे कि कहीं इस माफ़ी से उनके सर्वशक्तिमान सैन्य प्रमुख जनरल असीम मुनीर कुपित न हो जाएं। जब भी यह माफ़ी मांगी जाती है- सवाल यदि का नहीं, बल्कि कब का है - तो पाकिस्तान के इन दो भूतपूर्व हिस्सों के बीच जो निकटता बन जाएगी,उतनी तो कई दशकों से नहीं हुई थी।

कल्पना कीजिए कि इससे 53 साल का इतिहास उलटने जा रहा है। लेकिन यहां कोई गलती न करें, मंच सज चुका है,कमरे की सजावट में बस सिर्फ फूल और कुछ छोटी-छोटी चीज़ें ही बची हैं। जब डार बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से मिलेंगे - जिन्हें अमेरिकियों ने इस अवसर की प्रतीक्षा में सावधानी से सहेज कर तैयार रखा था कि शेख हसीना के बाद वाले बांग्लादेश में स्थापित करना है और इससे भी अधिक मूर्खता हसीना की रही, जिन्होंने यह मौका दिया - लगता है बांग्लादेशी, चीनियों के हल्के से बनावटी अनुग्रह पर, पाकिस्तानी माफी को विनम्रतापूर्वक स्वीकार कर लेंगे। यह बस इतनी आसान सी बात है। इस सब के बीच, मुहम्मद अली जिन्ना के प्रिय जुमले को नया जीवन मिल रहा है। बीते बृहस्पतिवार रावलपिंडी में एक समारोह में जब जनरल मुनीर कह रहे थे कि पाकिस्तान का निर्माण 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत' के आधार पर हुआ था, तो अग्रिम पंक्ति में सूट-बूट पहने उनके प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ यह सुन रहे थे। उन्होंने कहा : 'हमारे पूर्वजों का विचार था कि हम जीवन के प्रत्येक संभावित पहलू में हिंदुओं से अलहदा हैं। हमारे धर्म अलग हैं, हमारे रीति-रिवाज जुदा हैं, हमारी परंपराएं पृथक हैं ।

हर पल सिर्फ एक बार, न जाये बेकार

अंतर्मन

रेनू सैनी

हमें हर पल को अनमोल समझना चाहिए। जीवन में आने वाले किसी एक संबंध पर एकाग्र होना चाहिए। कई बार ऐसा होता है कि जीवन में आने वाला एक संबंध व्यक्ति के पूरे जीवनकाल को बदल देता है।

जापानी जीवनशैली अत्यंत सुंदर है। यहां के निवासी दीर्घ आयु जीते हैं। इसके पीछे अनेक कारण हैं। वे कई सकारात्मक धारणाओं को हृदय से अपनाते हैं। जापानी अवधारणा का ही एक शब्द है-इची-गो-इची-ए इसका अर्थ होता है 'एक जीवनकाल, एक मुलाकात'। इसको इस तरह भी कहा जा सकता है कि 'हर पल, सिर्फ एक बार।' यह अवधारणा हमें सिखाती है कि हमें हर पल को अनमोल समझना चाहिए। जीवन में आने वाले किसी एक संबंध पर एकाग्र होना चाहिए। कई बार ऐसा होता है कि जीवन में आने वाला एक संबंध व्यक्ति के पूरे जीवनकाल को बदल देता है। आपके जीवन में सौ छोटे-मोटे संबंधों से बेहतर है कहीं एक ऐसा संबंध या जुड़ाव जो आपके पूरे व्यक्तित्व को बदलने की सामर्थ्य रखता हो। जीवन में कई बार ऐसे मोड़ आते हैं जब व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से पंगु की हालत में आ जाता है। उस समय उसे कोई रास्ता, कोई किरण नज़र नहीं आ रही होती। ऐसे बुरे वक्त में यदि कोई ऐसा व्यक्ति उसका हाथ थाम ले जो उसके मन को मजबूती दे तो दिशाएं बदल जाती हैं, हवाएं अपना रुख बदल देती हैं।पायल नाग के हाथ-पैर दोनों ही नहीं हैं। वह बचपन से ऐसी नहीं थी। एक दुर्घटना ने उसके जीवन को भयावह बना दिया। साल 2015 में 11,000 वोल्ट की बिजली की तार छत के ऊपर से गुजर रही थी। उस तार के संपर्क में आने के कारण पायल के हाथ-पैर बेकार हो गए।

उस समय उसकी आयु केवल पांच साल थी। जब पायल के साथ यह हादसा हुआ तो कुछ समय तक तो परिवार को समझ ही नहीं आया कि ये उनके साथ क्या घटा है। माता-पिता आर्थिक रूप से विपन्न थे। उस पर लड़की के हाथ-पैर दोनों कट चुके थे। अब उसका आगे का जीवन कैसा होगा? कैसे वह समाज और जीवन में आगे बढ़ेगी? यह प्रश्न परिवार को खाए जा रहा था। माता-पिता जिला कलेक्टर के पास मदद की गुहार लेकर पहुंचे। वर्ष 2019 में पायल को बालंगीर के पर्वतगिरी बाल निकेतन अनाथालय में रखा गया। वहां पर पायल तीन साल तक रही। वर्ष 2022 में वह जम्मू आ गई और यहीं से उसके जीवन में बड़े बदलाव आने शुरू हुए। कुछ समय बाद यहीं उसके जीवन में एक ऐसा पड़ाव आया जिससे उसके अंदर 'इची-गो-इची-ए' की अवधारणा बलवती हो गई। हालांकि, वह इस जापानी अवधारणा को तो नहीं समझती थी, लेकिन मानवीय संवेदनाओं को अवश्य जानती थी। स्वयं को व्यस्त रखने के लिए उसने मुंह से चित्र बनाने शुरू किए। उसकी एक तस्वीर वायरल हुई। उस वायरल तस्वीर को देखकर ही कोच कुलदीप वेदवान ने उससे संपर्क किया। जब कोच कुलदीप उससे मिले तो उनकी बात सुनकर पायल बहुत घबरा गई कि वह बिना हाथ-पैरों के तीरंदाजी कैसे करेगी?बस यही वह क्षण था जब कोच कुलदीप ने उसकी मुलाकात को सकारात्मक रुख दिया। उन्होंने उन्हें बिना हाथों के तीरंदाजी करने वाली अनेक हस्तियों के बारे में बताया और कहा कि जब वे सब कर सकते हैं, तो तुम भी कर सकती हो। वैसे भी अभी भी तो तुम बिना हाथ-पैरों के चित्र बना रही हो। इस बात ने पायल को संबल प्रदान किया।जब पायल पहली बार अकादमी गई तो वहां पर सबके हाथ-पैर थे। बच्चे हाथों से धनुष पकड़ते थे। यह देखकर पायल फिर घबरा गई तो कोच ने कहा, 'चिंता मत करो, तुम इन सबसे अच्छा कर सकती हो।' पायल के लिए खास धनुष भी बनाया गया। उससे वह नेशनल चैंपियन बनीं।जीतने के बाद पायल के अंदर आत्मविश्वास कूट-कूट कर भर गया है। अब वे इसी में अपना करिअर बनाकर देश का नाम रोशन करना चाहती हैं। पायल ने अपने धैर्य और आत्मविश्वास से यह साबित कर दिया है कि इच्छा हो तो हर कठिन मार्ग को पार किया जा सकता है।

ग्रीन टी, घर की सफाई में कमाल !

घरेलू नुस्खे

आईने की सफाई के लिए आप ग्रीन टी की मदद से नेचुरल ग्लास क्लीनर बनाकर इस्तेमाल कर सकती है। ग्रीन टी के एंटीऑक्सीडेंट चिकनाई और गंदगी को साफ करते हैं और इसमें कोई हार्श केमिकल भी नहीं होता है।

ग्रीन टी को सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। अमूमन लोग अपनी वेट लॉस जर्नी में ग्रीन टी को शामिल करते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि ग्रीन टी सिर्फ आपकी सेहत की साथी नहीं है, बल्कि यह होम क्लीनिंग में भी उतनी ही मददगार है।

दरअसल, ग्रीन टी में नेचुरल एंटी-ऑक्सीडेंट्स और बैक्टीरिया से लड़ने वाले गुण होते हैं, जो इसे घर की सफाई के लिए भी बेहतरीन बनाते हैं। चाहे वो फ्रिज की अजीब सी गंध हटाना हो, शीशे को चमकाना हो या जूतों को फ्रेश करना हो, ग्रीन टी सब कर सकती है, वो भी बिना किसी केमिकल के।

यहां सबसे अच्छी बात यह है कि आप इस्तेमाल की हुई टी बैग्स को फेंकने की बजाय आप उन्हें दोबारा काम में ले सकते हैं। इससे न सिर्फ आपका घर सही रहेगा, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी अच्छा है। तो चलिए आज इ लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप ग्रीन टी की मदद से घर की साफ-सफाई किस तरह से कर सकती हैं

बनाएं नेचुरल ग्लास क्लीनर

इसके इस्तेमाल के लिए ग्रीन टी बनाकर उसे ठंडा करें। अब ठंडी की हुई ग्रीन टी में मुलायम कपड़ा डुबोएं। पानी निचोड़ें और लकड़ी के टेबल, अलमारी या शेल्फ साफ करें।

चिकने बर्तन करें साफ

आपको शायद जानकर हैरानी हो, लेकिन ग्रीन टी चिकने बर्तनों को साफ करने में भी मददगार है। दरसअल, ग्रीन टी के टैनिन्स तेल और चिकनाई को तोड़ते हैं जिससे बर्तन धोना आसान हो जाता है। इसके लिए आप इस्तेमाल की हुई ग्रीन टी बैग्स को चिकने बर्तनों या सिंक में डालें। इसे थोड़ी देर भिगोएं और फिर स्क्रब करें।

कारपेट की बदबू करें दूर

अगर आप कारपेट से आने वाली बदबू को दूर करना चाहते हैं तो ऐसे में आप ग्रीन टी की मदद ले सकते हैं। इसके लिए आप यूड़ की हुई ग्रीन टी पत्तियों को अच्छे से सुखाएं और फिर उसमें थोड़ा बेकिंग सोडा मिलाएं। इस मिक्स को कार्पेट पर छिड़कें और करीबन 15-20 मिनट बाद वैक्यूम कर लें। ये मिक्स नमी और बदबू दोनों को सोख लेता है।

कोडाइकनाल, प्राकृतिक सौंदर्य और शांति का अनमोल खजाना !

पर्यटन स्थल

कोडाइकनाल की सबसे प्रसिद्ध स्थल है कोडाइकनाल झील। यह झील पूरे शहर के केंद्र में स्थित है और यहां पर्यटक नौका विहार का आनंद ले सकते हैं। झील के चारों ओर सुंदर बगीचे और ट्री-लाइन पथ हैं, जहां आप सैर कर सकते हैं।

कोडाइकनाल, तमिलनाडु राज्य के पश्चिमी घाट में स्थित एक खूबसूरत पर्वतीय स्थल है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता, ठंडे मौसम और शांति के लिए प्रसिद्ध है। इसे ÷दक्षिण भारत का शिमला÷ भी कहा जाता है। यहां की हरी-भरी पहाड़ियाँ, झीलें, जलप्रपात और वन्यजीव अभयारण्य इसे एक आदर्श पर्यटन स्थल बनाते हैं। कोडाइकनाल उन पर्यटकों के लिए स्वर्ग जैसा है जो प्रकृति के बीच शांति और सुकून की तलाश करते हैं। आइए जानते हैं कोडाइकनाल के प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

कोडाइकनाल झील

कोडाइकनाल की सबसे प्रसिद्ध स्थल है कोडाइकनाल झील। यह झील पूरे शहर के केंद्र में स्थित है और यहां पर्यटक नौका विहार का आनंद ले सकते हैं। झील के चारों ओर सुंदर बगीचे और ट्री-लाइन पथ हैं, जहां आप सैर कर सकते हैं। यह स्थान परिवारों और दोस्तों के साथ समय बिताने के लिए आदर्श है। झील के किनारे स्थित कैफे और दुकानों से यहां के सौंदर्य का आनंद लिया जा सकता है।

ब्रायंट पार्क

ब्रायंट पार्क कोडाइकनाल का एक सुंदर बाग-बगिचा है, जहां फूलों और पौधों की एक अद्भुत विविधता देखने को मिलती है। यह पार्क झील के पास स्थित है और यहां की ताजगी और शांति पर्यटकों को बहुत आकर्षित करती है। यह स्थान फोटोग्राफी के शौकिनों के लिए भी आदर्श है, क्योंकि यहां की हरियाली और रंग-बिरंगे फूल किसी चित्र के जैसे दिखते हैं। पार्क में एक विशेष फूल मेला भी आयोजित होता है, जो पर्यटकों को अपनी ओर खींचता है।

सुहाना पहाड़ी

सुहाना पहाड़ी, जिसे कोकर वॉक भी कहा जाता है, कोडाइकनाल की एक प्रसिद्ध सैरगाह है। यह एक संकीर्ण मार्ग है, जो पहाड़ी की चोटी से गुजरता है और यहां से आप कोडाइकनाल का अद्भुत दृश्य देख सकते हैं। इस स्थल से आपको पूरे शहर का दृश्य और घाटियों का शानदार नज़ारा मिलता है। यह स्थल ट्रैकिंग और सैर के शौकिनों के लिए

आदर्श है। विशेष रूप से सूर्योदय और सूर्यास्त के समय यहां का दृश्य बहुत ही आकर्षक होता है। पिलर रॉक

पिलर रॉक, कोडाइकनाल का एक प्रसिद्ध स्थल है, जो विशाल और ऊंची चट्टानों का समूह है। ये चट्टानें लगभग 400 फीट ऊंची हैं और इनका दृश्य बहुत ही अद्भुत और आकर्षक होता है। पर्यटक यहां ट्रैकिंग और फोटोग्राफी का आनंद ले सकते हैं। यह स्थल कोडाइकनाल के आकर्षणों में से एक है और यहां का दृश्य बहुत ही मनमोहक होता है।

साइलेंट वैली व्यू

साइलेंट वैली व्यू कोडाइकनाल का एक शांतिपूर्ण और खूबसूरत स्थल है, जहां से आप पूरी घाटी का सुंदर दृश्य देख सकते हैं। यह स्थान पूरी तरह से प्रकृति के बीच स्थित है, जहां आपको शांति और एकांत का अनुभव होता है। यह स्थल विशेष रूप से उन पर्यटकों के लिए आदर्श है जो प्रकृति से जुड़ी शांति की तलाश में होते हैं।

गोल्डन वैली और वाटरफॉल

कोडाइकनाल के पास स्थित गोल्डन वैली और जलप्रपात एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। यहां की घाटियां और गिरते हुए पानी के झरने बहुत ही सुंदर और आकर्षक होते हैं। यह स्थल ट्रैकिंग और प्रकृति प्रेमियों के लिए एक आदर्श गंतव्य है। झरने के पास ठंडी हवा और शांत वातावरण में समय बिताना एक बेहतरीन अनुभव होता है।

बिल्हौर में भाजपाइयों ने फूंका सोनिया व राहुल का पुतला

» नगर पालिका चौराहे के पास पुतला फूंक की नारेबाजी

» भाजपा नेता प्रबंध दुबे ने कहा कांग्रेस के लोग भ्रष्टाचार में डूबे

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। बिल्हौर कस्बे में शनिवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओ ने भाजपा पदाधिकारियों के साथ सोनिया गाँधी और राहुल गाँधी का पुतला फूंका। दोनों का पुतला नेशनल हेराल्ड में किये गए घोटाले के विरोध में किया गया। युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रविंद्र चौहान के नेतृत्व में पुतला दहन किया गया। इस दौरान भाजपा नेता प्रबंध दुबे ने कहा कांग्रेस के लोग भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं।पदाधिकारियों ने कहा अधिकतर घोटाले कांग्रेस के समय में ही किए गए हैं। जो अब सामने खुलकर आ रहे हैं। इस दौरान मुख्य रूप से जिला मंत्री अनुज अवस्थी फ्रमोंटीफ्र, पूर्व विस्तारक भाजपा प्रबंध दुबे, मण्डल अध्यक्ष भाजपा सौरभ शर्मा , मण्डल अध्यक्ष भाजयुमो अमित तिवारी , मोहित शुक्ला , विशाल अवस्थी,आशु कटियार आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

बिल्हौर में जुटेंगे शायर और कवि, कल सजेगी महफ़िल

» बीआईसी कॉलेज में ऑल इण्डिया मुशायरा एवं कवि सम्मेलन का होगा आयोजन

» अज्म शाकिरी समेत कई दिग्गज शायर एवं कवि बांधेंगे समां

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। नए दीवाने की ओर से मंगलवार को ऑल इंडिया मुशायरा एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।जिसमें अज्म शाकिरी समेत कई दिग्गज शायर एवं कवि समा बांधेंगे। कार्यक्रम के आयोजक अर्शलान बेग ने बताया कि बिल्हौर इंटर कॉलेज परिसर में कार्यक्रम होगा। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गईं हैं। मुशायरे एवं कवि सम्मलेन में अज्म शाकिरी, अमीर इमाम, आदिल रशीद, हिमांशी बाबरा, जहाज़ देवबंदी, शहबाज़ तालिब, सलमान जफर, मशकूर ममनून, शादाब जावेद, रेशमा ज़ैदी, जानी लखनवी, गुलजेर अदीबा, अभिश्रेष्ठ तिवारी, दर्द फैज खान, अक्षिता सफीना, औसाफ़ रुदौलवी, रियाल अहमद ,मुस्तवीन एमके बिल्हौरी, प्रशांत सिंह, विनय कुमार शिरकत रहेंगे।

सर्व शिक्षा अभियान के संयुक्त शिक्षा निदेशक ने देखी स्कूलों की हकीकत

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। सर्व शिक्षा अभियान उत्तर प्रदेश के संयुक्त शिक्षा निदेशक पवन कुमार सचान और एससीईआरटी के उप निदेशक लव प्रकाश यादव ने संयुक्त रूप से शनिवार को बिल्हौर विकास खंड के उच्च प्राथमिक विद्यालय नसिरापुर का निरीक्षण किया। नसिरापुर स्कूल में उन्होंने स्मार्ट टीवी के बारे में बच्चों से बात की। और बच्चों से पूछा कि वह इसका उपयोग कैसे करते हैं। विद्यालय के एक बच्चे ने स्मार्ट टीवी का प्रयोग करके दिखाया जिस पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया।

नसिरापुर और मकनपुर स्कूल का किया निरीक्षण

शासन से नामित किए गए थे दोनों अफसर

उन्होंने बच्चों से प्रकाश संश्लेषण क्रिया और पानी के चीनी में मिलाने से होने वाले परिवर्तन के बारे में पूछा। उन्होंने भौतिक और रासायनिक परिवर्तन, सजीव निर्जीव, श्वसन आदि प्रश्न कक्षा 8 की छात्रा सिमरन से पूछे। स्मार्ट क्लास का संचालन बच्चों से करवाया। इसके कंपोजिट ग्रांट के उपयोग, 19 पैरामीटर के बारे में कई जानकारियां मांगीं। पुस्तकालय तथा खेल सामग्री के बारे में भी पूछा। रसोइयों से एमडीएम से जुड़े कई प्रश्न किए। स्कूल की साफ सफाई की व्यवस्था पर बात की। रसोइयों से मानदेय और बच्चो के भोजन से जुड़े कई प्रश्न किए। जिस बच्चों ने खुलकर जवाब दिए। विगत वर्षो में स्कूल की उपलब्धि के बारे में पूछा। जिस पे उन्हें बताया गया कि स्कूल के आधा दर्जन बच्चों को योग्यता आधारित छात्रवृत्ति मिली है। इस दौरान उनके साथ एडी बेसिक राजेश कुमार, खंड शिक्षाधिकारी बिल्हौर रवी कुमार सिंह भी मौजूद रहे।

ऑल इंडिया वूमेन कांफ्रेंस में बीना बनी अध्यक्ष,सचिव बनी वंदना

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। शनिवार को मोतीझील स्थित एक होटल में शनिवार को ऑल इंडिया वूमेन कांफ्रेंस की विष्णुपुरी शाखा का अधिष्ठापन समारोह हुआ।जिसमे अध्यक्ष रश्मि गुप्ता ने नई कमेटी को कार्यभार सौंपा। उसके बाद नये पदाधिकारियों का चयन हुआ।। जिसमें अध्यक्ष बीना पांडे को बनाया गया वही सचिव वंदना गुप्ता, और कोषाध्यक्ष अमिता मल्होत्रा, उपाध्यक्ष ललिता जैन को बनाया गया फिर सभी ने शपथ ग्रहण की। बीना पांडे ने बताया कि इस सत्र में नारी सशक्तिकरण पर काम होगा। बसंती गुप्ता, माया गुप्ता, नीता गोरे, रजनी चौधरी, विनीता सक्सेना, अंजलि, बबीता टंडन, सीमा मित्तल,लता जैन, आदि मौजूद रहीं।

गुरु शिष्य परम्परा देश की संस्कृति का अहम हिस्सा

» जीवन पर्यंत करें गुरु का सम्मान

» गुरु अपनी गरिमा को रखें बरकरार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। हर किसी के जीवन में गुरु का विशेष महत्व होता है। मनुष्य को गुरु का महत्व समझना चाहिए और जीवन पर्यन्त उनका सम्मान करना चाहिए। यह तथ्य अब मिथ्या नजर आ रहा है। आज हर रिश्ते को बाजारवाद की नजर लग गई है, तब गुरु-शिष्य के रिश्तों पर इसका असर न हो ऐसा सोचना ही बेमानी होगी। नए जमाने के नए मूल्यों ने हर रिश्ते पर बनावट, नकलीपन और स्वार्थों की एक ऐसी अदृश्य चादर ओढ़ ली है जिसमें असली सूरत नजर ही नहीं आती। शिक्षा के हर स्तर के बाजार भारत में चहुमुखी दिख रहे हैं। दरअसल आज हम जिस आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था में सांस ले रहे हैं वहां विकास के नाम पर बदलते सभी क्षेत्रों ने प्रगति की है। उसी तरह शिक्षा के क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीकी विस्फोटक विस्तार और प्रगति के कारणवश गुरुकुल प्रणाली की पैरवी करना तर्कसंगत नहीं लगता है।

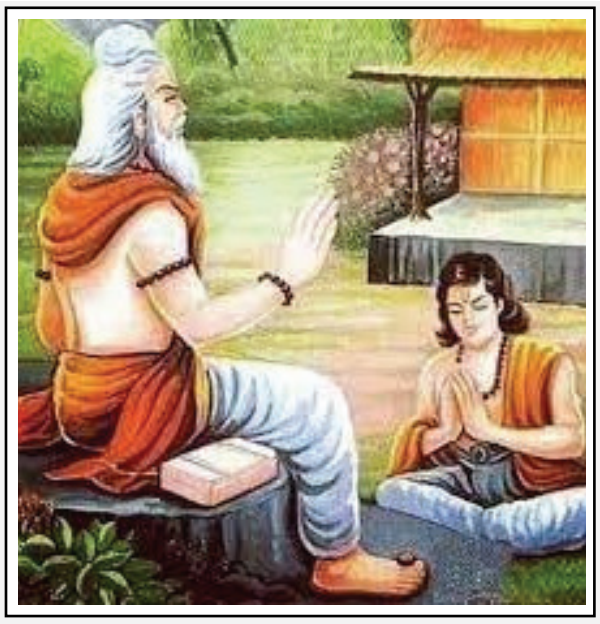

आज नई पीढ़ी में जो भ्रमित जानकारी या कच्चापन दिखता है उसका कारण शिक्षक ही हैं क्योंकि सच यह भी है कि अपने सीमित ज्ञान, कमजोर समझ और पक्षपातपूर्ण विचारों के कारण वे बच्चों में सही समझ विकसित नहीं कर पा रहे हैं। सबसे बड़ा संकट आज यह है कि गुरु-शिष्य के संबंध आज बाजार के मानकों पर तौले जा रहे हैं। युवाओं का भविष्य जिन हाथों में है उनका बाजारतंत्र किस तरह शोषण कर रहा है इसे समझना जरूरी है। इसके चलते योग्य लोग शिक्षा क्षेत्र से पलायन कर रहे हैं। उन्हें लगता है कि जीवन को ठीक से जीने के लिए यह व्यवसाय उचित नहीं है। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि भौतिकता को जीवन का आधार न बनने दें। चरित्रवान और निष्ठावान बने रहने की पुरजोर कोशिश करें। गुरु-शिष्य रिश्तों में मर्यादाएं और वर्जनाएं टूट रही हैं, केवल ये ही नहीं अनुशासन भी भंग होता दिख रहा है। नए जमाने के शिक्षक भी विद्यार्थियों में अपनी लोकप्रियता के लिए कुछ ऐसे काम कर बैठते हैं जो उन्हें लांछित ही करते हैं। सीखने की प्रक्रिया का मर्यादित होना भी जरूरी है।आध्यात्मिक ज्ञान और योग साधना को अपनी जीवनशैली में अपनाने में कंजूसी न करें। गुरुओं के प्रति सच्ची भक्ति का सार यही है। हमारे युवा भारत में इस समय दरअसल शिक्षकों का विवेक, रचनाशीलता और कल्पनाशीलता भी कसौटी पर है क्योंकि देश को बनाने की इस परीक्षा में हमारे छात्र अगर फेल हो रहे हैं तो इसका मतलब ये ही है कि शिक्षक भी फेल हो रहे हैं। नई पीढ़ी बहुत जल्दी और ज्यादा पाने की होड़ में है इसीलिए उसके सामने एक अध्यापक की भूमिका बहुत सीमित हो गई है। नए जमाने ने श्रद्धाभाव भी कम दिख रहा है। परीक्षा को पास करना और एक नौकरी पाना इस दौर की सबसे बड़ी प्राथमिकता बन गयी है। सनातन परम्परा में गुरु को ईश्वर से भी ऊंचा स्थान दिया गया है। सभी धर्मों ने गुरु शिष्य की परम्पराओं और व्यवस्थाओं के महत्व को स्वीकार करके रेखांकित किया है फिर भी वर्तमान में उसके महत्व को दरकिनार कर दिया गया है जबकि गुरु हमें ज्ञान, गौरव और गंतव्य का भान कराने के साथ हमारी जीवन यात्रा का मार्गदर्शन करते हैं। अतः प्रत्येक व्यक्ति को जीवन पर्यंत गुरु का सम्मान करना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | **प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)**

लेखपाल की मिलीभगत से जमीनों पर हो गये अवैध कब्जे

» अनेक शिकायतें किये जाने के बावजूद जिले की तहसील डेरापुर की ग्राम पंचायत मझगवाँ के ग्राम मिर्जापुर खुर्द की ग्राम सभा में सरकारी जमीन में कब्जा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। एक तरफ सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,अवैध कब्जों को लेकर भू-माफियाओं के प्रति कड़ा रुख अपनाये हुए हैं तो दूसरी तरफ क्षेत्रीय लेखपाल उनके आदेशों व निर्देशों की धज्जियाँ उड़वा रहा है।

अवैध कब्जों के सम्बन्ध में अनेक शिकायतें किये जाने के बावजूद जिले की तहसील डेरापुर की ग्राम पंचायत मझगवाँ के ग्राम मिर्जापुर खुर्द की ग्राम सभा की सभी अधिकतर जमीनों पर एक ही

परिवार के सदस्यों व उसके सगे सम्बन्धियों के द्वारा प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से अवैध कब्जे क्षेत्रीय लेखपाल की मिली भगत से कर लिये गये हैं।

लेखपाल की मिली भगत से ग्राम सभा की जमीनों पर किये गये अवैध कब्जों के बारे अनेक शिकायती पत्र देने वाले ग्राम निवासी श्याम सिंह ने बताया कि मिर्जापुर खुर्द की ग्राम सभा की जमीनें जैसे- मरघट, परती, खाद के लिये आरक्षित की गई जमीनें आदि पर राजेन्द्र सिंह, उनका भान्जा सुनील सिंह व अनिल सिंह उर्फ दीपू सहित राजेन्द्र सिंह के सगे सम्बन्धियों ने लेखपाल की मिली भगत से ग्राम सभा की अधिकतर जमीनों पर अवैध कब्जे कर रखे हैं।

इस बारे में जब भी शिकायत की गई तो पूर्व में रहे लेखपालों ने ही नहीं अपितु वर्तमान लेखपाल संध्या ने अवैध कब्जा करने वालों के साथ कदम - कदम से मिला कर शिकायतों के सही बिन्दुओं का दबाने का काम किया और अवैध कब्जा करने वाले शातिर लोगों का हौंसला बढ़ाया है।

यह भी बताया कि वर्तमान लेखपाल, कब्जा धारकों से साठगांठ करके अवैध कब्जों को वैध कराने में जुटी है। श्याम सिंह ने ''स्वराज इण्डिया'' अखबार के माध्यम से जिले के आलाधिकारियों ने अनुरोध किया है कि वे स्वयं मौका मुआयना कर लें।

और ताकि लेखपालों की वास्तविकता सामने आ सके और राजेन्द्र सिंह व उनके सगे सम्बन्धियों के द्वारा कूटरचित तथ्यों के माध्यम से किये गये अवैध कब्जों को हटाया जा सके।

जलजीवन मिशन के भ्रष्टाचार झेल रहे गांव वाले

» पाइप लाइन से लीकेज होने से सड़क पर बह रहा पानी

» सूचना देने के बाद भी नहीं कराया जा रहा ठीक गांव के ग्रामीण परेशान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विकास खंड मलासा के ग्राम कैलई का मजरा कलेनापुर में एक हफ्ता से पंचायत में पेयजल लाइन लीकेज होने से रोजाना लाखों लीटर पानी मोहल्ले व गलियों में बह रहा है। इससे जगह-जगह जलभराव हो गया है। कई मोहल्लों में टंकी में टोंटी न होने से पानी नालियों में बह रहा है। इससे लोगों के घरों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। इससे लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

जल जीवन मिशन योजना का गावों में बुरा हाल चल रहा है कही तो रोड खराब तो कही पानी नहीं कही टोटी नहीं हर घर तक जल पहुंचाने के लिए लाख प्रयास लेकिन सब फेल नजर आ रहे हैं। पाइप लाइन में लीकेज होने से गांव के ग्रामीण सौरभ, महराम, कल्लू,लाल, आदि लोगों ने अपनी परेशानी स्वराज इंडिया के कैमरे ने बताई है। वही गांव में प्रत्येक मोहल्लों की सड़के खोदकर पाइप

गांव की सड़कों में बह रहा पेयजल..

लाइन डाली गई। पाइप लाइन डालने के बाद मानक के अनुसार सड़क सही नहीं की गई। जब पाइप लाइन डालने के बाद इसका ट्रायल लिया गया तो लीकेज की बात सामने आई। इससे लाखों लीटर पानी प्रतिदिन बर्बाद हो रहा है। वहीं जलभराव के कारण लोगों को आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई मोहल्लो में टंकी में टोंटी न होने से पानी नालियों में बह रहा है। लगातार लोग पानी न आने व लीकेज होने की शिकायत कर रहे हैं लेकिन जल निगम के कान में जूं तक नहीं रेंग रही है।

क्या बोले जल निगम के अफसर...

इस प्रकरण को लेकर जल निगम के सहायक अभियंता संजय सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी नहीं है। जल्द ही ग्रामीणों की समस्या का समाधान हो जाएगा। कार्यदाई संस्था के इंजीनियर रामदेव ने बताया कि जल्द ही लीकेज लाइन की मरम्मत करी जाएगी।

अवैध विज्ञापन पटों पर नगर पालिका का एक्शन

अभियान में नगर पालिका परिषद नवाबगंज सहित जिले की नगर पंचायतों के सभी ईओ शामिल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। नगर पालिका व नगर पंचायत प्रशासन द्वारा शहर व कस्बों के मुख्य मार्गों पर लगे स्ट्रीट लाइट के पोल पर विभाग की अनुमति के बिना लगाए गए होर्डिंग बोर्ड को उतारने का तीन दिवसीय अभियान शहर के मुख्य मार्ग स्थित टेस्टीबाइट से शुरू किया गया। इस अभियान के तहत नगर पालिका नवाबगंज और जिले की सभी नगर पंचायतों के कर्मचारियों ने सैकड़ों पोल पर लगे होर्डिंग बोर्ड को हटाकर अपने कब्जे में ले लिए। सचिव नगर पालिका परिषद नवाबगंज संजय शुक्ला ने बताया कि पिछले कई दिनों से निरंतर आम जनता की शिकायतें मिल रही थी कि स्टेट हाईवे के अलावा मुख्य मार्गो पर जितने भी स्ट्रीट लाइट व बिजली के पोल लगे हुए हैं। उन पर अधिकांश लोगों ने विभाग की अनुमति के बिना ही अपने प्रचार–प्रसार के लिए होर्डिंग बोर्ड लगाए हुए हैं और इन होर्डिंगों के कारण दुर्घटनाओं का भय भी बना रहता है जिसको शासन व जिला प्रशासन ने संज्ञान लिया और त्वरित कार्यवाही करने के लिये जिले भर में 3 दिवसीय अभियान चलाकर अवैध होर्डिंग्स हटवाने के निर्देश दिए। जिसके क्रम में नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों के अधिकारियों द्वारा रविवार से इस अभियान की शुरुआत नगर पालिका परिषद नवाबगंज और जिले की सभी 13 नगर पंचायतों में एक साथ की गई। अभियान में नगर पालिका परिषद नवाबगंज सहित जिले की नगर पंचायतों के सभी ईओ और अन्य कर्मचारीगण अपने अपने क्षेत्र में उपस्थित रहे।

पुरानी रंजिश के चलते झोपड़ी में लगाई आग

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र में एक परिवार को पुरानी रंजिश के चलते बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। बैसन पुरवा गांव में सीमा देवी के घर के सामने रखे छप्पर में गांव के ही दो लोगों ने आग लगा दी ।सीमा देवी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात इंद्र भान और सोनू ने उनके छप्पर में आग लगा दी। छप्पर में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। इसमें अनाज, कपड़े, बर्तन और तख्त शामिल हैं ।ग्रामीणों की मदद से काफी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया गया। लेकिन तब तक छप्पर में रखा सारा सामान जल चुका था। पीड़िता ने थाने में इंद्र भान पुत्र विद्या प्रसाद और सोनू पुत्र राजेंद्र प्रसाद गौतम के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आंधी से जिले के कई गांवों की बिजली आपूर्ति ध्वस्त

स्वराज इंडिया संवाददाता

सूरतगंज(बाराबंकी)। बीते दिनों आए तेज तूफ़ान ने बिजली आपूर्ति व्यवस्था को पूरी तरह बाधित कर दिया। जो आज 5 दिन लगभग होने को है लेकिन विद्युत विभाग की घोर लापरवाही के चलते अभी भी इस भीषण गर्मी को ग्रामीण झेल रहे है जिसके चलते ग्रामीणों भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। ज्ञात हो की बीते बृहस्पतिवार धूल भरी आंधी ने जहां एक तरफ छप्परनुमा झोपड़ियों तहस नहस कर दिया तो दूसरी ओर किसानों के गेंहू के फसलों को भी नुकसान पहुंचा है। तो उधर हेतमापुर फीडर के मसुरिहा ग्राम पंचायत के रानीपुरवा गांव के पास कई पेड़ बिजली लाइन पर गिर जाने के कारण छह गांवों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। तो वही कस्बा क्षेत्र में बिजली आपूर्ति कुछ घंटों में बहाल कर दी गई है। हालांकि, ग्रामीण इलाकों में मरम्मत कार्य अभी जारी है। ऐसे में ग्रामीण ग्राम प्रधान अमरेश कुमार वर्मा , तलुकदार , सुनील , गुड्डू , बबलू , रामविजय , राजेश , अनिल आदि दर्जनों ने लोगों लोगों का कहना है कि इस भीषण गर्मी में जीना मोहाल है। टूटे पड़े

बिजली के खंभे न लगने से आज पांच दिनों से गांवो में चारो तरफ अंधकार छाया हुआ है। तो वही गर्मी में लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में हमारे संवाददाता ने एस0डी0ओ रामनगर से दूरभाष पर संपर्क करना चाहा तो फोन नही उठ सका। जबकि सूरतगंज पावर हाउस जेई शैलेंद्र यादव से दूरभाष पर संपर्क किया तो उन्होंने बताया था कि तेज तूफान से कई पेड़ बिजली के खंभे पर टूट कर गिर हैं। जिससे पोल पूरी तरह से टूट जा चुके है नए खंभे मंगवा कर जल्द ही आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

एडीजी ने अपराध समीक्षा बैठक में अधिकारियों के कसे पेंच

» एडीजी जोन डीके ठाकुर ने कहा कि अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करें

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मेरठ। तेजतर्रार छवि के एडीजी मेरठ ज़ोन डीके ठाकुर की अध्यक्षता में जनपद मेरठ पुलिस लाइन्स स्थित सभागार में सभी क्षेत्राधिकारियों और प्रभारी निरीक्षकों व थाना प्रभारियों के साथ अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गयी।इसमें कानून एवं शांति व्यवस्था,अपराध नियंत्रण एवं विवेचनाओं के समयबद्ध निस्तारण आदि के संबन्ध में समीक्षा कर सर्वसंबधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एडीजी जोन डीके ठाकुर ने कहा कि अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करें और वांछितों को गिरफ्तार कर जेल भेजें।इसके अलावा गश्त भी बढ़ाया जाए।

उन्होंने कहा कि आईजीआरएस व अन्य माध्यमों से प्राप्त प्रार्थनापत्रों तथा लंबित विवेचनाओं का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए।कानून व्यवस्था ठीक रखना सभी की जिम्मेदारी है और पूरी ईमानदारी के साथ काम करें।अगर

किसी की शिकायत मिलती है तो उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अयोध्या हारने का दुख साधु से सहा नहीं गया

मोदी-मोदी करता हुआ घुस गया तारकोल में!

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।अयोध्या में चल रही 84 कोस की परिक्रमा के दौरान एक ऐसी घटना घटी जिसने सभी श्रद्धालुओं और स्थानीयों को स्तब्ध कर दिया। बिहार से आए एक साधु ने जब सुना कि अयोध्या लोकसभा सीट पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा है, तो वह टूट गया। भावनाओं में बहकर वह सूर्य कुंड क्षेत्र में रखे एक तारकोल के ड्रम में जा घुसा और बेसुध होकर मोदी-मोदी का जाप करता रहा।

तारुन थाना क्षेत्र के रामपुर भगन के सूर्य कुंड पर हुई यह घटना अब पूरे देश में चर्चा का विषय बन चुकी है। साधु की पहचान बिहार निवासी प्रदीप सिंह के रूप में हुई है, जो अयोध्या की पवित्र 84 कोस परिक्रमा में शामिल होने आया था। प्रदीप बचपन से ही रामायण और श्रीराम के भक्त रहे हैं और मोदी को रामराज्य की दिशा में अग्रसर नेतृत्वकर्ता मानते हैं।स्थानीय लोगों के अनुसार, जैसे ही प्रदीप को यह पता चला कि अयोध्या सीट पर भाजपा प्रत्याशी चुनाव हार गया है, वह गहरी उदासी में चला गया। आँखों में आँसू और होंठों पर जय श्रीराम और मोदी-मोदी का जाप, वह बार-बार कह रहा था—राम की अयोध्या में रामराज्य का ही अपमान हो गया...

कुछ ही देर में वह तपस्वी भाव में तारकोल के एक ड्रम में उतर गया और वहीं बैठकर लगातार मोदी-मोदी का जाप करने लगा। राहगीरों ने पहले तो इसे कोई आध्यात्मिक क्रिया समझा, लेकिन जब स्थिति बिगड़ती दिखी तो पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस और ग्रामीणों की मदद से प्रदीप को बाहर निकाला गया और अस्पताल में भर्ती कराया गया। अब उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है, लेकिन उसका दिल आज भी व्यथित है।

परिंदों के लिए दाना-पानी और घोंसले का इंतजाम...

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बांदा। चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी के बीच पक्षी पानी के लिए दर-दर भटक रहे हैं।इसी को देखते हुए थाना कोतवाली देहात जमालपुर में तैनात जनलोकप्रिय,और न्यायप्रिय प्रभारी निरीक्षक अनुप कुमार दुबे की ओर से इन्हीं बेजुबान परिंदों की भूख प्यास बुझाने के लिए एक अभियान की शुरुआत की गई है।बता दे कि प्रभारी निरीक्षक श्री दुबे ने थाना परिसर के पेड़ो पर लकड़ी के घोंसले टांगकर और मिट्टी के बर्तन को रंग रोगन कर उसमें दाना-पानी तथा प्रतिदिन भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था करवाई।इस मुहिम की सभी ने खूब सराहना की।इस आयोजन में सब इंस्पेक्टर राजेन्द्र यादव,अभियान संयोजक शोभा राम कश्यप बांदा भी सहभागी रहे.

पीएम के आगमन से पहले सीएम ने लिया तैयारियों का जायजा, दिए निर्देश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। मुख्यमंत्री योगी ने 24 अप्रैल तक पूरे जिले में स्वच्छता अभियान चलाने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि मोदी के आगमन पर शहर में जाम की स्थिति न बने, पार्किंग की व्यवस्था भी ठीक रखें। तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली बार 24 को कानपुर आ रहे नरेंद्र मोदी के आगमन की तैयारियों का जायजा रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिया। प्रधानमंत्री की ओर से 20 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास किए जाने से पहले मुख्यमंत्री ने इनका जायजा लिया।

उन्होंने जिला प्रशासन और भाजपा पदाधिकारियों को 24 अप्रैल तक स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के आगमन के दिन शहर में किसी भी तरह से जाम की स्थिति न बने, अनावश्यक यातायात डायवर्जन न किया जाए। जनसभा स्थल पर वाहनों के लिए व्यवस्थित पार्किंग की सुविधा रहे। मुख्यमंत्री दोपहर 12.30 बजे चकेरी एयरपोर्ट पहुंचे। वहां से हेलिकॉप्टर से घाटमपुर स्थित तापीय विद्युत परियोजना का निरीक्षण किया।

वह दोपहर 2 बजकर 12 मिनट पर अर्मापुर हैलीपैड से पनकी तापीय विस्तार परियोजना का निरीक्षण करने पहुंचे। इस पावर प्लांट परियोजना की आधारशिला मार्च 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रखी थी। प्लांट के निरीक्षण के दौरान कितना उत्पादन हो रहा है। यहां से बिजली कहां-कहां दी जाएगी, संचालन में किसी प्रकार की समस्या तो नहीं आ रही आदि की जानकारी ली। यहां पर उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष आशीष गोयल ने बताया कि वर्तमान में प्लांट से 662 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। इस बिजली का वितरण पूरे उत्तर प्रदेश में यूपीपीसीएल के माध्यम से किया जाएगा। यहां मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, सांसद रमेश अवस्थी, विधायक सुरेंद्र मैथानी, प्लांट के मुख्य महाप्रबंधक जीके मिश्रा, एलपी गौतम, पुनीत शर्मा समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे।

इसके बाद उन्होंने चुन्नीगंज से कानपुर सेंट्रल तक शुरू की जा रही मेट्रो रेल परियोजना का निरीक्षण मेट्रो में बैठकर किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कुल 16 किलोमीटर लंबी की भूमिगत मेट्रो का दूसरा फेज 24 अप्रैल से जनता के लिए शुरू कर दिया जाएगा। लोगों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी।

आखिर में उन्होंने सीएसए में प्रधानमंत्री के जनसभा स्थल जाकर तैयारियां देखीं। इस दौरान अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक में कहा कि जनसभा स्थल पर जगह-जगह स्क्रीन लगाई जाएं, जिससे लोग आसानी से प्रधानमंत्री को देख और सुन सकें। कहा कि कार्यक्रम स्थल के बीच के रास्तों को ठीक करें। जरूरत पड़े तो इंटरलॉकिंग की व्यवस्था भी करें। सभा स्थल पर बनाए गए 30 ब्लॉकों में 10-10 कार्यकर्ताओं की स्पेशल ड्यूटी लगाई जाए, जिससे आम जनमानस व लाभार्थियों को किसी तरह की परेशानी न हो। सभा स्थल एवं पार्किंग स्थल पर शुद्ध पेयजल, गुड़, स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए।